(b) and (c) A statement is enclosed (*See* below)

(d) and (e) Open market prices are dependent on the relative position of overall supply and demand of foodgrains in the market. The open sale of wheat and rice by Food Corporation of India has had a sobering effect on the prices of wheat and rice in the open market.

Statement

Details of CIPs of Wheat and Rice for PDS as Prevailed on January 31st of the Years 1990, 1991, 1992 and 1994 and the Details of Stocks Wheat and Rice with Government Agencies on these Dates

Value : (in Rs. per quintal)
Qnty. : (in lakh tonnes)

Commodity		DATE							
		31-1-1990		31-1-1991		31-1-1992		31-1-1994	
		CIP	Stock Position	CIP	Stock Position	CIP	Stock Position	CIP	Stock Position
Wheat . .		204	50.70	234	81.69	280	43.48	330	98.18
Rice :	Common .	244		289		377		437	
	Fine .	304	83.90	349	108.57	437	101.01	497	133.02
	Superfine .	325		370		458		518	

चीनी का उत्पादन

1612. **श्री एस० एस० अहलूवालिया** : क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1993-94 के दौरान देश में चीनी का उत्पादन लक्ष्य से बहुत कम होने की आशंका है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि चीनी के उत्पादन में कमी का कारण चीनी मिलों द्वारा किसानों को समय पर भुगतान न करने की प्रवृत्ति है जिसके कारण किसानों ने गन्ने की बुआई में कमी कर दी है;

(घ) यदि हां, तो किसानों की कितनी धनराशि चीनी मिलों पर देय है और उसका राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार चीनी के उत्पादन में वृद्धि करने तथा चीनी मिलों द्वारा किसानों के पैसे का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने हेतु क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय : (क) और (ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान चीनी उद्योग के लिए विकास कार्यक्रम तैयार करने हेतु गठित समिति ने 1993-94 चीनी मौसम के लिए 127.76 लाख टन चीनी के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया था। चालू चीनी मौसम 1993-94 के दौरान 7 फरवरी, 1994 तक चीनी का कुल उत्पादन 56.92 लाख टन (अनंतिम) हुआ था। उत्पादन की वर्तमान प्रवृत्ति दर्शाती है कि उत्पादन लक्ष्य से कम होगा। तथापि, उत्पादन में कमी का सही मूल्यांकन करना जल्दबाजी होगी।

(ग) और (घ) चीनी के उत्पादन में कमी मुख्यत: गन्ना क्षेत्र के घटने, गन्ने के उत्पादन में गिरावट, गुड़ और खांडसारी क्षेत्र की

और गन्ने का अत्यधिक विपथन और 1992-93 में देश के कुछ भागों में सूखा पड़ने के कारण आई है। जहां तक गन्ने के मूल्य का समय पर भुगतान का प्रश्न है, देय गन्ना मूल्य का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी मुख्यतः राज्य सरकारों की होती है जिनके पास ऐसे भुगतान को बाध्य करने के लिए आवश्यक शक्तियां तथा क्षेत्रीय संगठन है। केन्द्रीय सरकार अपनी ओर से समय-समय पर राज्य सरकारों को ऐसे बकाया का भुगतान करवाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की सलाह देती रही है। चीनी मिलों से प्राप्त रिपोर्टों के आधार पर संकलित विवरण के अनुसार 31-12-1993 को 1993-94 मौसम के लिए गन्ना मूल्य के बकाया का राज्यवार ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है **(नीचे देखिए)**।

(ङ) सरकार ने 1993-94 चीनी मौसम के दौरान चीनी का उत्पादन बढ़ाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:—

(1) 1-10-1993 से 15-11-1993 तक की अवधि के दौरान किए गए उत्पादन पर चीनी मिलों की 60 प्रतिशत की सामान्य पात्रता की तुलना में 72 प्रतिशत की दर से उच्चतर खुली बिक्री कोटे के रूप में जल्दी पेराई प्रोत्साहनों की घोषणा की गई थी।

(2) चीनी मिलों को 1-1-1994 से 30-4-1994 तक की अवधि में, 1992-93 मौसम की इसी अवधि के दौरान किए गए उत्पादन की तुलना में अतिरिक्त इंक्रीमेंटल उत्पादन पर 60 प्रतिशत की सामान्य पात्रता की तुलना में 80 प्रतिशत की दर से उच्चतर खुली बिक्री कोटे के रूप में बीच की पेराई अवधि प्रोत्साहनों की घोषणा की गई थी।

(3) 1-5-1994 से 31-7-1994 तक की अवधि के दौरान किए गए उत्पादन पर चीनी मिलों को 60 प्रतिशत की सामान्य पात्रता की तुलना में 72 प्रतिशत की दर से उच्चतर खुली बिक्री कोटे के रूप में देर तक पेराई प्रोत्साहनों की घोषणा की गई थी।

(4) वित्त मंत्रालय/रिजर्व बैंक से 1993-94 मौसम के दौरान चीनी उद्योग को आवश्यकता पर आधारित ऋण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है।

(5) राज्य सरकारों से यह अनुरोध किया गया है कि वे चीनी फैक्ट्रियों द्वारा किसानों को गन्ना मूल्य का तत्काल भुगतान सुनिश्चित करें।

(6) के०टी० वेयर्स तथा लिफ्ट सिंचाई योजनाओं के लिए चीनी विकास निधि से सहायता प्रदान करने के लिए ऋण संघटक को कुल परियोजना लागत के 66.6 प्रतिशत से बढ़ा कर 90 प्रतिशत कर दिया गया है।

(7) 1992-93 मौसम के लिए 8.5 प्रतिशत की मूल रिकवरी पर गन्ने के 31 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम सांविधिक मूल्य की तुलना में 1993-94 मौसम के लिए गन्ने के सांविधिक न्यूनतम मूल्य की 34.50 रुपये प्रति क्विंटल की घोषणा की गई है। 1994-95 मौसम के लिए भी 8.5 प्रतिशत की मूल रिकवरी पर गन्ने के सांविधिक न्यूनतम मूल्य की 37 रुपये प्रति क्विंटल की अग्रिम घोषणा की गई है।

(8) नई चीनी फैक्ट्रियों तथा विस्तार परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहन योजना में उचित संशोधन कर दिया गया है।

(9) राज्य सरकारों से यह अनुरोध किया गया है कि वे गुड़ तथा खांडसारी इकाइयों की ओर गन्ने का विपथन रोकने के लिए विभिन्न उपाय करने पर विचार करें।

1993-94 मौसम के लिए 31-12-94 को स्थिति के अनुसार गन्ना मूल्य के बकाया का राज्य वार विवरण

(आंकड़े लाख रुपये में)

राज्य	1993-94 के दौरान 31-13-93 तक खरीदे गये गन्ने के लिए देय कुल गन्ना मूल्य	31-12-93 तक भुगतान किया गया गन्ना मूल्य	31-12-1993 को देय शेष गन्ना मूल्य
1	2	3	4
पंजाब	9857.87	7717.54	2140.33
हरियाणा	8126.00	5059.02	3066.98
राजस्थान	179.68	62.48	117.20
पश्चिम उत्तर प्रदेश	20576.00	17080.68	3495.32
मध्य उत्तर प्रदेश	20299.03	15364.38	4934.65
पूर्वी उत्तर प्रदेश	10539.42	6115.38	4424.04
कुल उत्तर प्रदेश	51414.45	38560.44	12854.01
मध्य प्रदेश	696.49	340.40	356.09
दक्षिण गुजरात	5478.38	4925.03	553.35
सौराष्ट्र	1417.49	553.28	864.21
कुल गुजरात	6895.87	5478.31	1417.56
दक्षिण महाराष्ट्र	11820.16	9133.39	2686.77
उत्तर महाराष्ट्र	4417.99	2394.33	2023.66
मध्य महाराष्ट्र	9940.34	7787.60	2152.74
कुल महाराष्ट्र	26178.49	19315.32	6863.17
उत्तर बिहार	3504.01	1067.79	2436.22
दक्षिण बिहार	0.00	0.00	0.00
कुल बिहार	3504.01	1067.79	2436.22
असम	90.80	76.78	14.02
उड़ीसा	426.95	154.58	272.37
पश्चिमी बंगाल	117.46	67.23	5.23
नागालैण्ड	0.00	0.00	0.00
आन्ध्र प्रदेश	5715.76	2650.87	3064.89
कर्नाटक	15328.86	10934.42	4394.44
तमिलनाडु	10498.55	7633.19	2865.36
पांडिचेरी	265.04	126.52	158.52
केरल	59.33	59.33	0.00
गोआ	161.26	41.16	120.10
समस्त भारत :	139538.87	99345.38	40191.49